लाख इलेक्ट्रानिक लाइनें थीं जबकि 1992 में 5.827 लाख इलेक्ट्रो-मेकेनिकल लाइनें तथा 10.212 लाख इलेक्ट्रॉनिक लाइनें थीं। इलेक्ट्रो-मेकेनिकल लाइनों के लिए ग्रुप-ग के अधिकांश तकनीशियनों, आपरेटरों आदि की आवश्यकताएं होती हैं जबकि इलैक्ट्रानिक लाइनों के लिए हमें उच्च प्रौद्योगिकी का ज्ञान रखने वाले समूह "क" तथा समूह "ख" के अधिकारियों की आवश्यकता होती है और समूह "ग" स्टाफ की बहुत कम आवश्यकता होती है।

(ङ) 1986 में केवल 264 एस टी डी रूट थे जबकि 1992 में केवल दिल्ली और बंबई से क्रमश: 1140 और 1645 एस टी डी रूट थे। तदनुसार, सीधे डायलिंग सुविधा में कई गुणा वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप ट्रंक परियात जोकि 1986 में लगभग 36,000 था, घट कर लगभग 29,000 रह गया जिसका परिणाम समूह "ग" के टेलीफोन आपरेटरों की आवश्यकता में कमी का होना है।

Settlement of old family pension cases

49. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have received several representations for settlement of family pension cases from the widows of Postal employees and pensioners who were working under the Post Master General of West Bengal;

(b) whether in some cases widows have been awaiting Government's sanction for about two decades or so;

(c) whether any action has now been taken to settle these cases and to allow the widows to get their due pension alongwith arrears; and

(d) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

बचत बैंकों से रकम का निकाला जाना

50. **श्री राम नरेश यादव:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली में कश्मीरी गेट स्थित प्रधान डाकघर के कर्मचारियों द्वारा जमाकर्ताओं के बचत खातों में से धोखा-धड़ी से पैसा निकालने के कितने मामले प्रकाश में आए हैं;

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) जांच पूरी होने के बाद कितने जमाकर्ताओं को उनकी रकम लौटा दी गई है; और

(घ) यदि उपर्युक्त भाग का उत्तर "ना" में हो तो इसके क्या कारण हैं और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) तीन मामले।

(ख) दिल्ली जी पी ओ के बचत बैंक खाता सं० 1146291 से 18-12-92 को फतहपुरी के (दिल्ली जी०पी०ओ०) बचत बैंक खाता सं० 934571 से 24-7-92 को और फराशखाना (दिल्ली जी०पी०ओ०) के बचत बैंक खाता सं० 912621 से 25-8-92 को क्रमश: 75,000/- रु०, 21,000/- रु० और 99,600/- रु० जालसाजी करके निकाले गए थे।

(ग) केवल एक।

(घ) खाता सं० 1146291 के संबंध में 75,000 रु० के दावे का निपटान कर दिया गया है। शेष दो मामलों में से एक मामले में चूंकि निकाली गई राशि जाली खाते में से निकाली गई थी, अत: कोई दावा नहीं किया गया जिसे निपटाया

जाए । दूसरे मामले में निपटान प्रक्रिया चल रही है । पूरे मामले की सूचना पुलिस को द दी गई है तथा दोषी पाए गए कर्मचारियों के विरुध्द अनुशासनिक कार्रवाई की जा रही है ।

डाकियों की संख्या बढ़ाया जाना

51. **डा० बापू कालदाते** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) डाक विभाग द्वारा डाकियों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या मानदण्ड अपनाया जा रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि पिछले दस वर्ष में डाकियों के कार्य-भार में दुगनी वृद्धि हुई है लेकिन उनकी संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है;

(ग) यदि हां, तो मुम्बई में वर्तमान डाकियों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार पिछले दस वर्षों में डाकियों के कार्यभार में हुई वृद्धि का पुनर्विलोकन करते हुए मुम्बई में और अधिक डाकियों की भर्ती करने का विचार रखती है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) डाकियों के पद विभाग द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार स्वीकृत किए जाते है, जिनमें जनसंख्या का घनत्व, तय की जाने वाली दूरी, वितरित की जाने वाली डाक-मदों की संख्या तथा स्वरूप आदि को ध्यान में रखा जाता है। डाकिये का कोई अतिरिक्त पद सृजित करने का औचित्य तभी बनता है जब कार्यभार डाकियों की गश्त की निर्धारित सीमाओं से अधिक हो जाता है।

(ख) जी नहीं।

(ग) मुम्बई में इस समय डाकियों की संख्या 4412 है।

(घ) से (च) सरकार द्वारा नए पदों के सृजन पर प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए इस समय मुम्बई में डाकियों के अतिरिक्त पद मंजूर करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, स्थिति की लगातार मानीटरिंग की जाती है और प्रचालन संबंधी आदश्कताओं को ध्यान में रखते हुए, जिस डाकघर में डाकियों के फालतू पद पाए जाते हैं उन्हें वहां से हटाकर उस डाकघर में पुन: तैनात किया जाता है जहां उनकी आवश्यकता होती है।

Manufacture of large switches

52. SHRI DIGVIJAY SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have selected three foreign technologies for the manufacture of large switches; and

(b) if so, what are the details thereof and by when their production is likely to start?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) No Sir. The selection process has not been completed.

Modernilation of telephone exchanges in Northern States

53. SHRI DIGVIJAY SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are thinking to undertake the expansion/modernisation of telephone exchanges in Northern States during the Eighth Five Year Plan period;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) Yes, Sir.

(b) The statement is attached. (*See* below).

(c) Question does not arise.